ॐ जय कलाधारी हरे बाबा बालक नाथ जी आरती लिरिक्स

ॐ जय कलाधारी हरे,
स्वामी जय पौणाहारी हरे,
भक्त जनों की नैया,
दास जनों की नैया,
भव से पार करे,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

बालक उमर सुहानी,
नाम बालक नाथा,
अमर हुए शंकर से,
सुन के अमर गाथा,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

शीश पे बाल सुनहरी,
गले रुद्राक्षी माला,
हाथ में झोली चिमटा,
आसन मृगशाला,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

सुंदर सेली सिंगी,
वैरागन सोहे,
गऊ पालक रखवालक,
भगतन मन मोहे,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

अंग भभूत रमाई,
मूर्ति प्रभु रंगी,
भय भंजन दु:ख नाशक,
भरथरी के संगी,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

रोट चढ़त रविवार को,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

फल फूल मिश्री मेवा,
धुप दीप कुदनुं से,
आनंद सिद्ध देवा,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

भक्तन हित अवतार लियो,
प्रभु देख के कल्लू काला,
दुष्ट दमन शत्रुहन,
सबके प्रतिपाला,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

श्री बालक नाथ जी की आरती,
जो कोई नित गावे,
कहते है सेवक तेरे,
मन वाच्छित फल पावे,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

ॐ जय कलाधारी हरे,
स्वामी जय पौणाहारी हरे,
भक्त जनों की नैया,
दास जनों की नैया,
भव से पार करे,
ॐ जय कलाधारी हरे।bd।

Upload By – Pawan Walla
9878579721

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com